

O_ »E:W xEBZ öZH!“5Æ&ïW&

0èP±5Æ »oÑ4£oØ5ÆoØ-2oÒoã 30/ 04/20 2

QÛ •i€> ‹5ú#±M7K~2'6ðf7!S#ß

!S#ß#ôJ IvSñB`C¢Djf-&ÿPˆ ä6ðf7!S#ß

$/ ‹5Ì7 2021 .[ 5 6ï 6 5Ì

I. <¼+•Pˆ7 [q"¼

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 6U` Pˆ5_FÕ | ‹ ¡;ø .J) | ‹ ¡;ø .J) |
| ñ6ï.\|M7+? | 450,000,000 | 0.25 | 112,500,000 |
| (…"‡ ’ <> +ø Œ | A | ô`PE | A |
| ( ) | | | |

601865

(2) Pˆ ä ÊVF ( ñ=^[0" ‹5ú 2' ) Z‘5õ • A Pˆ

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 6U` Pˆ5_FÕ | ‹ ¡;ø .J) | ‹ ¡;ø .J) |
| ñ6ï.\|M7+? | 1,696,193,254 | 0.25 | 424,048,313.50 |
| (…"‡ ’ <> +ø Œ | A | ô`PE | A |
| | | | 424,048,313.50 |

2. ! !/Pˆ

| Pˆ ä ÊVF • | ô`PE | Z‘5õ • | ô`PE | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | | gl # | |
| | | | | *‹Z²Z"5õl•* | <¼+•Pˆ7 |
| | | | ! !/Pˆ5_FÕ | *.J )* | *‹Z²Z"5õl•.J )* |
| ñ6ï.\|M7+? | | | | | |

(…"‡ ’ ‹> +ø Œ

III. -ÙFcX3Pˆ7 [q"¼ZZ0¬

Pˆ ä7 :ñ ‹8 4ÁFcX3 ¡FkPˆ ä7 :ñYï"j Œ

| Pˆ ä7 :ñYï"jZZ | | | | | 7 6ï!N&Ç;KFcX3FkFc | 7 6ï.\|&Ç;K#ÖPäFcX3 |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 0¬ •"ì2ÓPˆ7XB` | | | | | X3 ¡5—Pˆ ä5_FÕ | FkFcX3 ¡5—Pˆ ä5_F( |
| " ) 6ê` `55Ì7 | | | 7 6ï!N[q"¼ | | | |
| (5Ì / 6ï / .[ ) #±#ÖF( | | | | | | |
| X3Pˆ ähE" | 3o!á | X3 f | Z"bž | ) 5/ | | |
| 1. ô`PE | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| ( / / ) | | | | | | |
| Pˆ | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| 2. ô`PE | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| | | | | | | |
| ( / / ) | | | | | | |
| Pˆ | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |

3.

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | 7 6ï!N&Ç;K FcX3FkFcX3 ¡5—Pˆ ä5_ FÕ | 7 6ï.|&Ç;K#Ö PäFcX3FkFcX ¡5—Pˆ ä5_FÔ |
| :ñ[0Z‘5õ | | | | 7 6ï!N-ÙX3 | | | |
| (" 7 5Ì | 5Ì / 6ï / .[ ) | gI #\•.J | ñ6ï.|gI # | f | 7 6ï.|gI # | | |
| 1. ô`PE | | | | | | | |

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | 7 6ï!N&Ç;K<br>FcX3FkFx3<br>¡5—Pˆ ä5_<br>FÕ | 7 6ï.|&Ç;K#Ö<br>PäFcX3FkFcX<br>¡5—Pˆ ä5_FÕ |
| :ñ[0Z‘5õ<br>(" 7 5Ì 5Ì / 6ï / .[ ) | | gI #\•.J | ñ6ï.|gI # | 7 6ï!N-ÙX3<br>f | 7 6ï.|gI # | | |
| 4. ô`PE<br>( / / )<br>Pˆ ä ÊVF ()i-Ù ñ-é )<br>#ÖFcX3Pˆ ähE"<br>*(Z" 1)*<br>Zt\ã à<br>Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì<br>7 ()i`PE )<br>(5Ì / 6ï / .[ | | | | | | | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 7 6ï!N | |
| | | | | | &Ç;KFcX3Fl | 7 6ï.\|&Ç;K#Ö |
| | | | | | FcX3 ¡ | PäFcX3FkFcX |
| | | ñ6ï.\| | 7 6ï!N-Ù3ÂPˆ | 7 6ï.\| | 5—Pˆ ä5_FĆ | ¡5—Pˆ ä5_FĈ |
| hE" #±Z‘5õ | FcX3\•.J | -ÙFcX3N$h4 | ;%h4 | -ÙFcX3N$h4 | | |
| 4. ô`PE | | | | | | |
| Pˆ ä ÊVF ()i-Ù ñ-é ) | | | | | | |
| #ÖFcX3Pˆ ähE" | | | | | | |
| *(Z" 1)* | | | | | | |
| Zt\ã à | | | | | | |
| Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì | | | | | | |
| 7 ()i`PE ) | | | | | | |
| ( | | | | | | |

@¡FcX3+î o ñ-éFkFcX3Pˆ ä2'YéJ²Fk â <!] ½#;[W1ý+p3y •"ì2Ó7 :ñ ‹ - ô"ì2Ó8 4ÁPˆ ä7 :ñYï"jFcX3Fk7 :ñ Œ

| | | |
|---|---|---|
| ZZ0¬ •"ì2ÓPˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì7 (5Ì / 6ï / .[ )()i`PE )#±#ÖFcX3Pˆ ähE" | 7 6ï!N &Ç;KFcX3Fk FcX3 ¡5—Pˆ ä5_FÕ | 7 6ï.\| &Ç;K#ÖPäFcX3Fk FcX3¡5—Pˆ ä5_FÕ |

1. ô`PE

| FcX3hE" | | | | | | 7 6ï!N &Ç;KFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ | 7 6ï.\|&Ç;K #ÖPäFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | ,Pˆ | à8# • | Z²Z"5õ\•.J | _____ | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)* _____<br>FcX3#±a4Fc5Ì7 •<br>(5Ì / 6ï / .[ )<br>Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì<br>7 •<br>(5Ì / 6ï / .[ ) | ( / / )<br>( / / ) | ô`PE | ô`PE |
| 2. | !Ser2ÂPˆ | à8# • | Z²Z"5õ\•.J | _____ | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)* _____<br>FcX3#±a4Fc5Ì7 •<br>(5Ì / 6ï / .[ )<br>Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì<br>7 •<br>(5Ì / 6ï / .[ ) | ( / / )<br>( / / ) | ô`PE | ô`PE |
| 3. | a4% | à8# • | Z²Z"5õ\•.J | | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)*<br>FcX3#±a4ÎË5Ì7 •<br>(5Ì / 6ï / .[ )<br>Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì<br>7 •<br>( | | | |

FcX3hE"

| FcX3hE" | | | | | 7 6ï!N &Ç;KFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ | 7 6ï.|&Ç;K #ÖPäFcX3 FkFcX3 ¡ 5—Pˆ ä 5_FÕ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | #ÖFcX3Pˆ ähE" *(Z" 1)* ———— | | |
| 10. !] ½ (Z²Z"5õ) | à8# • | Z²Z"5õ \•.J ———— | | FcX3#±a4Fc5Ì7 • (5Ì / 6ï / .[ ) ( / / ) | | |
| | | | | Pˆ7XB`" ) 6ê` `55Ì 7 • (5Ì / 6ï / .[ ) ( / / ) | ô`PE | ô`PE |

| | |
|---|---|
| N$5_E. 6U` Pˆ) | ô`PE |
| (! !/Pˆ ) | ô`PE |
| (!] ½hE" Pˆ ä ) | ô`PE |

| | | |
|---|---|---|
| 7 6ï6U` Pˆ(…"‡ ' ‹> +ø ŒN$h4 ‹#Z A QÚE gìFkN$$s Œ • | (1) | ô`PE |
| | (2) | ô`PE |
| 7 6ï! !/Pˆ(…"‡ ' ‹> +ø ŒN$h4 ‹#Z A QÚE gìFkN$$s Œ • | | ô`PE |
| 7 6ï!] ½hE" Pˆ ä(…"‡ ' ‹> +ø ŒN$h4 ‹#Z A QÚE gìFkN$$s Œ• | | ô`PE |
| *‹;K5_FÕ1°FßK05£ ñ5nKII gì ‹ å-ÙFcX3Pˆ7 [q"¼ æ Œ!NFkFßeÃ5_ +> Û Œ* | | |

IV. H¡Zt

1ø ø' ;KH¡Zt •4Á1ø ø2'GÌ2' È •FcX3 ¡' 7 6ïFcX3Fk;¶gì[0" ‹)iK III `Ï2'_× -7 6å5£8 4ÁK 13.25A 8„2'!ñ FcFk( XO 2'g Œ-ÙCYFcX3 ¡TJ r6ê;J.ö3o:ñ2`!- • ' `PE Fk0¬<¨ ò •

*‹Z" 2 Œ*

(i) ñ-éFcX3 ¡-Ù5 #½!]' 6 ; FcX31°/~Fk!O`Ï;%gì ž

(ii) -Ù,LX3i€> PV#ï ‹5ú2'6ðf7!S#ß[0" ñ-éYv". å ñ-é\®8# ægì ò2'Yv+•6ðeÃ ñ-éFk ç!î!/<a8„ Ý ž

(iii) 2`!-[0" ñ-é\ž\ÊFk;J.ö!ä Ý!N2'^ðFk2'6ð8„ Ý ‹)i6ð Œ-Ù o,LX3 ž

(iv) ;¶hE[0" ' #ë 5 gl'.,SFß#ó *‹Z" 3 Œž*

(v) ã!S#ß ‹=ìFË#±fÃgì8„5n Œ8„ r äYv+•_è$/!S#ßZ"!qV<V<e^+?:{Fk!O`Ï5n Ý-ÙMz;J.ö+?:{ •Oó ç!î!] ½<¼ /rYv+• •-Ù!O`Ï`\X3 ž

(vi) H¡+Í2'6ð:ñ5n Ý2ðANFcX38„;%FkYv+•Mz-ÙFd_Œå;J>} €Fc_è/ ;J' >} € +î6êFc_è ž

(vii) FcX3 ¡Fk ñ-é5n Ý2'I!-ÙE !]\ã\ž1ý#ó0ö\ã\žFk!O`ÏBP9TFk ‹5ú-Ù+s1÷ ž!O`ÏZYK0BP9TFk\ã\ž Ê à-Ù oNZ ¿ ž#±

(viii) 6ðeÃ œ" Ú \ŸPˆ ä ÚIO4Á1ý!S#ß œ" Fk ÈYþ)8Lë/ .Z`q)84ÁMz-ÙXä €#±L$OY •6ðeÃZZ0¬-Ù_è$/!S#ßZ"!q\ V<e^+?:{ ‹)i<¼/r)i;KYv+• Œ Û

€Z" ()i6ð ) •

(1) &Ç7 !S#ß6 5£ SÖ ¡;ø!X$s&òZ"!q1÷J²Fk!S#ß • <¼+•Pˆ7 29i/Ü ô`PE 5£7 !S#ß Û' ñ_×K I

`ÏhV I! 5£ <¼+•Pˆ7 Fk\®5€6 2î7 !S#ßFk Z"!qPˆ7 Û

$/ ‹Oì • f ?‹fÙ

P^b*ƒ* • !S#ßI¿6ß

(TJ r ÚI¿6ß1ý!] ½CY;J.ö3o:ñFk ¡$È )

*Z" •*

1. *Z²Z"5õPˆähE" ()i6U` Pˆ Ú! !/Pˆ1ý!] ½hE" Pˆä ) Û*

2. *(i) QÚ(viii) gì@¡H¡Zt!N+ Fk.á[W8#.ö •#Ö2ð ò" 0¬<¨ o Ì ÕYé Û)iFcX3 ¡5Ð"4-Ù, 7·[0" FcX3 5£8 4ÁK 13.25A 8„2'!ñFcFk( XO C!á6ðeÃH¡Zt •". ôfçYh5£;K( XO!t CH¡Zt Û*

3. *' ;K åFß#ó æ2î •*
   - x *[0" FkgI #Fß#ó •gïNZ1ýNZ]šFkPˆ;% •Fß#ó ž*
   - x *[0" 6ð:ñgÿ#½#ó ç7 ez!N2ð#ó ç0VCnYïK~FkPˆ0Ñ" 0V • ò; =%0V6);¶%• 41°CY=%FcFkPˆ0V /" 0Vh4 •+s!OFß#ó ‹N$h4#±=Ïh4 Œ ž#±*
   - x *[0" f+6ðFß#ó:ñF± •)i ô#¾f7" Fk_0[z Ú!á. 6ê[W#±5£6ê ñ2|IO • ' 2'6ð!] ½5 gI '6ð #óK0:ñF± Û*

4. *)iJa 4 ô5^1°E •Z²f+"‡2î+•FkNsgè Û*